राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)–244901

आई0क्यू0ए0सी0 के तत्त्वावधान में आयोजित

महाविद्यालय वेबिनार श्रृंखला (03–08 मई, 2020)

संकाय विकास कार्यक्रम, आयोजक विभाग - हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत एवं फारसी

कोरोना संक्रमण पर आयोजित की जा रही छः दिवसीय वेबिनार श्रृंखला के तृतीय दिवस के अवसर पर

राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)

की ओर से

सादर आमन्त्रण

वेबिनार विषय – ''कोविड–19 : जन जागरुकता में साहित्य की भूमिका''

आयोजन तिथि – 05.05.2020 (मंगलवार)

समय – प्रातः 11.00 बजे से

संरक्षक – डॉ0 पी0के0 वार्ष्णेय (प्राचार्य)

मुख्य अतिथि :

- ♣ डॉ0 प्रीति गौतम, निवर्तमान निदेशक–उच्च शिक्षा विभाग, इलाहाबाद, उ0प्र0, मो0–9411036685।

विशिष्ट अतिथि :

- ♣ डॉ0 प्रभा शर्मा, प्राचार्य, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सम्भल, उ0प्र0, मो0–9359320396।

वक्तागण :

- ♣ डॉ0 मौसम सिन्हा, प्रोफेसर एवं प्रभारी–अंग्रेजी विभाग, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उ0प्र0, मो0–7906394308।
- ♣ डॉ0 मनु प्रताप सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर–हिन्दी विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली, उ0प्र0, मो0–9411009012।
- ♣ डॉ0 अनीता, असिस्टेन्ट प्रोफेसर–संस्कृत विभाग,महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उ0प्र0, मो0–9451604563।
- ♣ डॉ0 रेहान हसन, असिस्टेन्ट प्रोफेसर–उर्दू एवं फारसी विभाग, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब, मो0–8559020015।

आयोजन सचिव	सह–आयोजन सचिव	सह–संयोजक	संयोजक
डॉ0 विनीता सिंह	डॉ0 जहांगीर अहमद	डॉ0 अरुण कुमार	डॉ0 ज़ेबी नाज़
डॉ0सै0 अरशद रिज़वी	डॉ0 राजीव पाल	डॉ0 रेशमा परवीन	
डॉ0 कुसुमलता			

संकलनकर्ता –डॉ0 वी0 के0 चौधरी एवं डॉ0 रेनू।

जूम मीटिंग लिंक – https://us04web.zoom.us/j/4582767417?pwd=Wk1WSWk2elpEL3drZUFqdVUva1J4Zz09

Meeting ID : 458 276 7417 **Password: 2taSxS**

ई-प्रमाण पत्र समिति – डॉ0 मौ0 कामिल हुसैन व डॉ0 राजू

आई0क्यू0ए0सी0 इकाई, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)।

राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)—244901

आई0क्यू0ए0सी0 के तत्त्वावधान में आयोजित

महाविद्यालय वेबिनार श्रृंखला (03—08 मई, 2020)

संकाय विकास कार्यक्रम, आयोजक विभाग - हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत एवं फारसी

वेबिनार श्रृंखला – तृतीय दिवस

कार्यक्रम रूपरेखा

वेबिनार विषय – ''कोविड–19: जन जागरुकता में साहित्य की भूमिका''

आयोजन तिथि – 05.05.2020 (मंगलवार)

समय – प्रातः 11.00 बजे से

समय	कार्यक्रम	वक्ता
प्रातः 11.00 बजे	द्वितीय दिवस रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण	डॉ0 प्रदीप कुमार
11.05 बजे	विषय परिचय	डॉ0 ज़ेबी नाज़
11.10 बजे	प्राचार्य उद्बोधन	डॉ0 पी0के0 वार्ष्णेय
11.20 बजे	मुख्य अतिथि वक्तव्य	डॉ0 प्रीति गौतम
11.35 बजे	विशिष्ट अतिथि वक्तव्य	डॉ0 प्रभा शर्मा
11.50 बजे	मुख्य वक्ता	डॉ0 मौसम सिन्हा
अपराह्न 12.00 बजे	सहायक वक्ता	डॉ0 मनु प्रताप सिंह
12.10 बजे	सहायक वक्ता	डॉ0 अनीता
12.20 बजे	सहायक वक्ता	डॉ0 रेहान हसन
12.30 बजे	धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन	डॉ0 अरुण कुमार

सह–संयोजक	संयोजक
डॉ0 अरुण कुमार	डॉ0 ज़ेबी नाज़
डॉ0 रेशमा परवीन	

संकलनकर्ता —डॉ0 वी0 के0 चौधरी एवं डॉ0 रेनू।

जूम मीटिंग लिंक – https://us04web.zoom.us/j/4582767417?pwd=Wk1WSWk2elpEL3drZUFqdVUva1J4Zz09

Meeting ID : 458 276 7417 **Password: 2taSxS**

ई-प्रमाण पत्र समिति – डॉ0 मौ0 कामिल हुसैन व डॉ0 राजू

आई0क्यू0ए0सी0 इकाई, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)।

GOVT. RAZA POST GRADUATE COLLEGE, RAMPUR

Re-Accredited 'B' by NAAC

Affiliated by M.J.P rohilkhand University, Bareilly

वेबिनार आख्या

कार्यालय राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर उप्र।

फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम वेबिनार श्रंखला3-8मई2020।

प्रकरण-"कोविड19: जनजागरूकता में साहित्य की भूमिका"

दिनाँक: 05/05/2020

दैनिक आख्या

आज दिन मंगलवार को राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर में फैकल्टी डेवलेपमेंट वेब श्रंखला के अंतर्गत तीसरे दिवस "कोविड 19 महामारी: जनजागरूकता में साहित्य की भूमिका" विषय पर हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू एवम फारसी विभाग द्वारा ज़ूम ऑनलाइन ऐप के माध्यम से प्रातः 11बजे वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ प्रीति गौतम- निवर्तमान निदेशक उच्च शिक्षा प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि डॉ प्रभा शर्मा- प्राचार्य राजकीय पी जी कालेज सम्भल, डॉ मौसम सिन्हा- प्रोफेसर अंग्रेजी,तीर्थंकर महावीर विश्वविद्लय मुरादाबाद, डॉ अनिता- असि प्रोफेसर मा०गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, डॉ रेहान हसन- असि प्रोफेसर गुरुनानक देव विश्व विद्यालय अमृतसर ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया।

डॉ पी के वार्ष्णेय प्राचार्य जी द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रध्यपको का स्वागत किया गया। प्राचार्य जी ने सत्रारम्भ में कहा कि कोविड 19 महामारी की प्रभावी रोकथाम के लिए शिक्षकों को नए व्यवसायिक कौशल दक्षता की आवश्यकता है।

डॉ प्रीति गौतम ने कहा कि साहित्य का लक्ष्य समाज मे उदारता लाना है। साहित्य सवेंगात्मक बुद्धिलब्धि के विकास में सहायक है जिससे मानव में संवेदनशीलता बढ़ती है। कोविड 19 महामारी को रोकने में साहित्य मनुष्य की सरवाइवल जिजीविषा को बढ़ाने में सहायक है। प्रबुद्धजन साहित्य सृजन कर मानवता को उबारने में अपनी भूमिका को निभाये। डॉ प्रभा शर्मा ने कहा कि साहित्य जनजागरूकता का मजबूत साधन है, साहित्य मानव विचारों को गतिशीलता प्रदान करता है, साहित्य समाज का दर्पण है। कोरोना की चुनोती का सामना साहित्य के द्वारा जनजागरूकता फेल कर किया जा सकता है। साहित्य समाज की चेतना, दर्पण एवं मार्गदर्शन है। डॉ मौसम सिन्हा ने कहा कि साहित्य मानव चेतना को प्रेरणा देता है रामधारी सिंह दिनकर के साहित्य से नागरिकों की चेतना देशसेवा के लिए जागरूक कर कोविड19 से मुकाबला किया जा सकता है। डॉ मनु प्रताप सिंह ने कहा कि समस्त विश्व संकट से गुजर रहा है, साहित्य की सहायता से मानवता का मनोबल बढ़ाया जा सकता है। डॉ अनिता ने बताया कि साहित्य की विभिन विधा जैसे नाटक,निबन्ध,ड्रामा,कहानी आदि की सहायता से लोकजागरण करके कोरोनरी विषाणु की रोकथाम की जा सकती है। रामायण महाभारत जैसे साहित्य से जनसामान्य के दृष्टिकोण को जुझारू बनाया जा सकता है। डॉ रेहान हसन ने धार्मिक साहित्य एवं महापुरषो के विचारों को कोरोना की रोकथाम में साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ जेबी नाज़ असि प्रोफेसर हिंदी विभाग द्वारा किया गया। अंत मे डॉ अरुण कुमार ने सभी अतिथियों एवं प्रध्यपको का आभार व्यक्त किया।

सधन्यवाद

Principal
Govt. Raza P.G. College
Rampur (U.P.)